वर्ष :: 34 अंक : 37
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 16 जून, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

खतरे में सर्राफा बाजार?

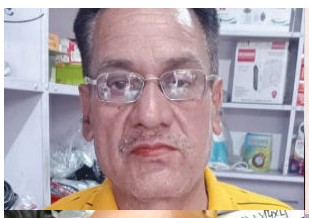

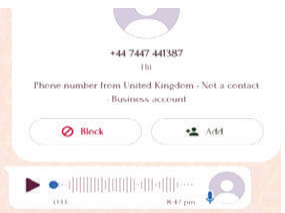

दुस्साहस... फिर चलीं गोलियां, व्यवसायियों में दहशत के साथ आक्रोश भी

यूके के नंबर से धमकाने वाला मेजर कौन?

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले का सर्राफा बाजार इन दिनों लगातार अपराधियों के निशाने पर है। यूके (यूनाइटेड किंगडम) के नंबर से पहले वाट्सएप कॉल, फिर धमकी भरा मैसेज और रंगदारी न दी, तो सीधे फायरिंग। अपराधियों का यह दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि एक ओर जहां यह पुलिस के लिए चुनौती बन चुका है, वहीं जेवर व्यवसायियों के लिए खौफ और आक्रोश का कारण। बीते हफ्ते एक बार फिर बेरमो अनुमंडल के मुख्य व्यावसायिक केन्द्र फुसरो बाजार में दिनदहाड़े गोलियां चलाई गईं। मेन रोड स्थित मेघदूत मार्केट में ज्ञान ज्वेलरी नामक दुकान खोलते ही बाइकसवार बदमाशों ने गोलियां तड़तड़ा दी, जिसमें दुकान मालिक ज्ञान वर्मा के पुत्र ऋषभ वर्मा की जान बाल-बाल बच गई। बता दें कि एक महीने के भीतर किसी जेवर दुकानदार पर फायरिंग की यह दूसरी और लगभग आठ माह के भीतर तीसरी घटना। बीते 17 मई को ही फुसरो बाजार के मेन रोड स्थित मोती अलंकार ज्वेलर्स पर इसी तरह बाइक सवार दो अपराधियों ने फायरिंग की थी। उससे पहले 12 अक्टूबर 2023 को मोती अलंकार ज्वेलर्स के बगल में मेसर्स नागरमल अग्रवाल के बाहर फायरिंग की गई थी। मोती अलंकार और मेसर्स नागरमल अग्रवाल के बाहर फायरिंग ज्वेलर्स पर फायरिंग की जिम्मेदारी धनबाद के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा लिए जाने की बात सामने आई थी। लेकिन, इस बार घटना के पीछे किसी मेजर का हाथ है। हालांकि, उसके प्रिंस खान के शूटर होने की बातें सामने आ रही हैं। वह मेजर जो पहले वाट्सएप कॉल करता है। अगर कोई अनसुना कर देता है तो उसे वाट्सएप आडियो नोट और टेक्स्ट मैसेज कर खुली धमकी दी जाती है। धमकी भी ऐसी कि कोई भी सहम जाय। 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगी जाती है और न देने पर खोपड़ी खोल देने की चेतावनी जाती है।

ज्ञान ज्वेलरी के मालिक को भी गोलीकांड से पहले ऐसी ही धमकी मिली थी और अब बोकारो थर्मल के जेवर व्यवसायी अमित कुमार को भी ऐसी ही चेतावनी दी जा रही है। फुसरो की ज्ञान ज्वेलरी नामक दुकान में गोलियां तड़तड़ाने के बाद बोकारो थर्मल के स्वर्ण व्यवसायी अमित कुमार को लगातार धमकियां मिल रही हैं। अरविंद ज्वेलर्स के मालिक अमित को दो-दो बार धमकाया गया है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के नंबर +447447441387 से आए वाइस नोट और टेक्स्ट मैसेज में लिखा गया कि फुसरो की उक्त घटना के बाद अब अगली बारी उसकी है। वाइस नोट में कहा गया - 'जिस तरह फोन से आवाज नहीं आने के बहाना करके फोन काटा ना, उसी तरह तेरा खोपड़ी खोल देंगे। मोती अलंकार ज्वेलर्स वाला तो बच गया, तुम नहीं बचेगा, नाम याद रखना.. मेजर।'

अबतक कोई ठोस सफलता नहीं, बोले एसपी- नहीं कामयाब होगी नापाक मंशा

फुसरो में विगत आठ महीने के दौरान तीन-तीन गोलीकांड के साथ-साथ बोकारो थर्मल के व्यवसायी अमित को धमकाने के मामले में खबर लिखे जाने तक कोई ठोस सफलता नहीं मिल सकी थी। हालांकि, एसपी की अगुवाई में ज्ञान ज्वेलरी वाली घटना के अगले दिन सघन छापेमारी की गई और दो लोगों को हिरासत में लिया भी गया, परंतु कोई ठोस कामयाबी नहीं मिल पाई। ज्ञान ज्वेलर्स के संचालक ज्ञान वर्मा के पुत्र ऋषभ देव वर्मा का कहना है कि पूर्व में ही धमकी मिली थी। इसको लेकर बीते 20 मई को बेरमो थाने में उनकी ओर से आवेदन भी दिया गया था, लेकिन प्रशासन ने कोई मदद न की। केवल प्रशासन के नुमाइंदे आते रहे और एक ही चीज का वृतांत मांगकर लौट जाते रहे। कार्रवाई कुछ नहीं हुई। हुआ वही, जो अपराधी चाहते थे। ऋषभ ने कहा कि सूचना देने के बाद भी प्रशासन की ओर से उन्हें कोई भी सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई थी। इस बावत ठोस कार्रवाई नहीं होने से व्यवसायियों में भारी रोष है। एसपी पूज्य प्रकाश का कहना है कि अपराधी एप की मदद से विदेश के नंबर से फोन कर रहे हैं। फुसरो क्षेत्र में व्यवसायियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए चार अतिरिक्त टाइगर फोर्स की व्यवस्था की गई है। जो फुसरो बाजार क्षेत्र में भ्रमण करते रहेंगे। एसपी के अनुसार अपराधियों को चारों तरफ से घेरने का उपाय कर दिया गया है। फुसरो नगर क्षेत्र में खराब पड़े सीसीटीवी कैमरे भी दुरुस्त कराए जाएंगे।

एसपी से मिले व्यवसायी, कहा- भय के माहौल में व्यापार संभव नहीं

जिले में अपराध की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा बेरमो अनुमंडल क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई आपराधिक घटनाओं में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बोकारो चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश से मिला। चेंबर अध्यक्ष श्री सिंह ने आपराधिक घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। चेंबर के संरक्षक संजय बैद ने कहा कि भय के माहौल में व्यापार करना संभव नहीं है। पुलिस प्रशासन व्यापारियों को भयमुक्त माहौल दिलवाए। पूर्व अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि बोकारो पुलिस त्वरित कार्रवाई करे, जिससे व्यवसायियों का भरोसा पुलिस पर बना रहे। चेंबर के महामंत्री सिद्धार्थ पारख ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन भी सौंपा। पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश ने चेंबर प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि बेरमो की घटनाओं में संलिप्त अपराधी जल्द दबोचे जाएंगे। पुलिस घटित घटनाओं को लेकर गंभीर है और जल्द ही नतीजे व्यवसायियों को देगी।

दो दर्जन लोगों को एक ही नंबर से धमकी, दहशत

अमित कुमार ने बताया कि फुसरो में इससे पहले जितने भी लोगों को मैसेज आया था, सभी को एक दिन पहले यही सेम मैसेज आया। बताया कि फुसरो में दो दर्जन से अधिक लोगों को यह मैसेज आया है। बोकारो थर्मल के स्वर्ण व्यवसायी अमित कुमार को **(शेष पेज- 7 पर)**

अपशिष्ट बना विशिष्ट सेल में पहली बार बीएसएल ने उच्च लौहयुक्त अपशिष्टों को रिसाइकिल कर बनाई स्लज ब्रिक्स

अब कचरे से बनीं ईंटों का होगा इस्पात-उत्पादन में स्क्रैप के तौर पर इस्तेमाल

संवाददाता

बोकारो : सेल-बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने सेल के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील (आरडीसीआईएस) के सहयोग से सस्टेनेबल स्टील उत्पादन की दिशा में एक बड़ी पहल करने में सफलता हासिल की है। बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद तथा अधिशासी निदेशक (आरडीसीआईएस), रांची संदीप कर के नेतृत्व में आरडीसीआईएस और बीएसएल की संयुक्त टीम ने इस्पात उत्पादन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाले मिल स्केल और स्लज जैसे उच्च लौह युक्त अपशिष्टों को रिसाइकिल कर स्लज ब्रिक्स सफलतापूर्वक विकसित और निर्मित किया है। सेल में पहली बार और संभवतः इस्पात उद्योग में पहली बार स्लज ब्रिक्स को बीएसएल के स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस)- 2 के कन्वर्टर्स में चार्ज किया गया। मिल स्केल और स्लज का पुनर्चक्रण सस्टेनेबल इस्पात उत्पादन के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

कूलेंट के तौर पर होता है उपयोग : उल्लेखनीय है कि इस्पात उत्पादन प्रक्रिया में स्क्रैप का इस्तेमाल आमतौर पर कूलेंट के रूप में किया जाता है। अधिकांश एकीकृत इस्पात संयंत्रों में नई तकनीकों को अपनाने और प्रक्रियाओं के अनुकूलन से इन-हाउस स्क्रैप की उपलब्धता में कमी आई है। एक तरफ आंतरिक स्क्रैप की कमी और दूसरी ओर बाहरी स्रोत से उपलब्ध स्क्रैप की उच्च लागत एक बड़ी चुनौती थी। इस पृष्ठभूमि में स्लज ब्रिक्स के निर्माण और एसएमएस-2 में स्क्रैप के बदले इसके इस्तेमाल की पहल की गई। इन ग्रीन ब्रिक्स ने परीक्षणों में बहुत उत्साहजनक परिणाम दिए हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि स्लज ब्रिक्स जल्द ही बीएसएल में इस्पात उत्पादन प्रक्रिया का एक नियमित हिस्सा बन सकता है।

उत्पादन-लागत में आएगी कमी : डीआई

इस अवसर पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी ने कहा कि यह सफलता न केवल इस्पात उत्पादन की लागत को कम करने में मदद करेगी, बल्कि बीएसएल और अन्य सेल संयंत्रों के डी-कार्बोनाइजेशन और सर्कुलर इकोनॉमी के उद्देश्यों में भी मदद करेगी। बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार, इस सफल परीक्षण में सक्रिय रूप से अरविंद कुमार सीजीएम (एसएमएस 2), पीके बैसाखिया सीजीएम (मेंटेनेंस), मनोहर लाल, सीजीएम (गुणवत्ता), ए के मिस्त्री, सीजीएम (आरडीसीआईएस बोकारो केंद्र), दीप कुमार सक्सेना, जीएम (बीएसएल), पी मरांडी, जीएम (बीएसएल), पीएस मीना जीएम (बीएसएल), एनपी श्रीवास्तव जीएम (ईसीएस), संतोष कुमार, डीजीएम आरडीसीआईएस बोकारो, श्रीमती स्मिता टोप्पो, प्रबंधक (आरडीसीआईएस बोकारो), अभिजीत दास, प्रबंधक, (आरडीसीआईएस बोकारो), चंदन कुमार, प्रबंधक (आरडीसीआईएस बोकारो) तथा आरडीसीआईएस और बीएसएल के अन्य टीम के सदस्य शामिल थे।

- संपादकीय -

बंगाल में कब खत्म होगा गुंडाराज?

पश्चिम बंगाल में आज जिस तरह का गुंडाराज है, शायद देश के किसी भी अन्य राज्यों में आज तक ऐसा नहीं देखा गया। लोकसभा चुनाव के दौरान और फिर उसके बाद राज्य के कई हिस्सों में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने जिस तरह से उत्पात मचाया, निर्दोष लोगों को निशाना बनाया, कई को मौत के घाट उतारा, उसे देखते हुए यह निश्चय ही कहा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में गुंडाराज है। वहां की पुलिस पीड़ितों को बचाने की जगह टीएमसी के गुंडों का साथ देती है। इस तरह की अधिकतर घटनाओं को अंजाम देने में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की अहम भूमिका बताई जा रही है। लेकिन, राज्य सरकार की सेहत पर इससे कोई असर नहीं पड़ा। उल्टे, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सारे आरोपों को सिरे से खारिज कर रही हैं। कहा तो यह जा रहा है कि कट्टरतावादी सोच रखने वाले संगठनों द्वारा आने वाले दिनों में भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है और इस योजना की पहली प्रयोगशाला पश्चिम बंगाल बन गई है। क्योंकि, चुनाव और उसके बाद बंगाल में ज्यादातर हिन्दुओं को ही निशाना बनाया गया है। जबकि, कलकत्ता उच्च न्यायालय के अलावा राज्यपाल द्वारा भी बार-बार ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। हाल ही में लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में जगह-जगह लोगों को राजनीतिक हिंसा का शिकार बनाया गया और इस तरह की घटनाओं में हिंसा के सर्वाधिक शिकार भारतीय जनता पार्टी का साथ देने वाले लोग बने। यहां तक कि टीएमसी के गुंडों के आतंक से कई गांवों के लोग अपना घर-बार छोड़कर भागने पर विवश हुए। बेघर हो चुके सैकड़ों लोगों ने कोलकाता के भाजपा मुख्यालय में शरण ली। 2021 के विधानसभा और 2023 के पंचायत चुनाव के बाद भी यही स्थिति बनी थी। हाल की घटनाओं के बाद ऐसे लोग राज्यपाल से मिलकर उन्हें अपनी व्यथा सुनाना चाहते थे। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पीड़ितों की राज्यपाल से मुलाकात भी तय हो गई थी। लेकिन, पुलिस ने उनके प्रवेश पर रोक लगा दी। इस घटनाक्रम से आहत पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने सवाल पूछा है कि आखिर किस आधार पर पुलिस ने हिंसा के पीड़ितों के राजभवन में प्रवेश पर रोक लगाई? उन्होंने लिखा है कि इसके लिए राजभवन की तरफ से पहले ही अनुमति दी गई थी। सीवी आनंद बोस ने ममता बनर्जी को लिखे पत्र में संवैधानिक मानदंडों का भी हवाला दिया है। राज्यपाल ने इसके बाद बड़ाबाजार के माहेश्वरी भवन का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव के बाद हिंसा के पीड़ितों से भी मुलाकात की। ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस पर हिंसा के आरोप लगाए हैं। जबकि, राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। दरअसल, पश्चिम बंगाल में होने वाली राजनीतिक हिंसा में भाजपा के कई कार्यकर्ताओं की मौत हुई है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी इन ज्यादतियों पर ध्यान दिया है और सीआरपीएफ की तैनाती 21 जून तक बढ़ा दी है। साथ ही, हिंसा से जुड़े मामले को 18 जून को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। कुल मिलाकर इन परिस्थितियों को देखते हुए यह तो कहा ही जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में गुंडाराज है। लोकतंत्र में आखिर यह सिलसिला कब तक चलेगा? इस पर केन्द्र सरकार को जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि नागरिकों को खुली हवा में सांस लेने का अवसर मिल सके।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

नीट- न 'नीट', न 'क्लीन'

- दीपक झा -
स्वतंत्र पत्रकार

जीवन में कुछ करना है, तो पढ़ाई जरूरी है। शिक्षा ही उन्नति का आधार है। ऐसी बातें हम सभी बचपन से ही सुनते आ रहे हैं। हमें शुरूआत से ही यह सीख दी जाती है और यह हकीकत है भी। लेकिन, जब शिक्षा उन्नति की बजाय आर्थिक और मानसिक अवनति का कारण बन जाय, तो इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे। मेडिकल और इंजीनियरिंग सबसे प्रमुखतम पेशों में से एक है। आज भी अधिकतर मां-बाप का सपना होता है कि उनका बेटा इंजीनियर या डॉक्टर बने। सामर्थ्यवान लोगों के बच्चे, जो पढ़ाई में उस लायक होते हैं, बनते भी हैं। वे बचपन से ही अपना लक्ष्य तय कर उस दिशा में निरंतर आगे बढ़ते हैं। उनका सपना होता है कि एक दिन वो भी डॉक्टर बन अपने मां-बाप का सपना पूरा करेंगे और खूब नाम कमाएंगे। परंतु, भ्रष्टाचार और बेईमानी रूपी दीमक पढ़ाई-लिखाई और परीक्षा के पूरे तंत्र को ही खोखला कर दे, तो उनके अरमान ठीक उसी तरह बिखर जाते हैं, जैसे दीमक लगी लकड़ियों के बुरादे। हमारे देश में इन दिनों परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होना एक बड़ी समस्या ही नहीं, अहम चुनौती बन गया है।

तिल-तिल कर एक-एक पाई जमा कर बच्चों के मां-बाप परीक्षा के लिए उन्हें तैयार करते हैं। बच्चे भी दिन-रात पूरी मेहनत कर, सुख-चैन त्यागकर परीक्षा के लिए तैयारी करते हैं, लेकिन जब वही परीक्षा भ्रष्टाचार की बलि चढ़ जाए, तो उनके अरमानों पर क्या बीतती होगी, उनकी मानसिक स्थिति क्या होती होगी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। दुर्भाग्य से आज आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं। डॉक्टर बनने की मुराद पूरी कराने वाली मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) भी अब ऐसी ही धांधली की भेंट चढ़ चुकी है। भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस में प्रवेश के लिए एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी) द्वारा आयोजित की जाने वाली यह परीक्षा इस साल शायद पहली बार इतनी सुर्खियों में है। वजह है धांधली। ग्रेस मार्क्स और ज्यादा टॉपर का मामला सुर्खियों में छाया हुआ है। यानी अब नीट भी न नीट रही और न क्लीन बची। इसकी स्वच्छता भी भ्रष्टाचार की कालिख से मैली हो चुकी है। बीते माह 5 मई को जब परीक्षा हुई थी, उसके अगले दिन से ही परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें अखबारों से लेकर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। यह सिलसिला एक-दो दिन चला, फिर थोड़ा ठंडा हो गया। लेकिन, 4 जून को लोकसभा चुनाव के मतगणना वाले दिन शाम को जैसे ही परीक्षा का परिणाम आया, पूरी परीक्षा और नीट का पूरा सिस्टम सवालों के कटघरे में खड़ा हो गया। आश्चर्य भी है। जिस परीक्षा में बमुश्किल एक-दो बच्चे ही 720 में से 720 अंक ला पाते थे, इस बार एक-दो नहीं, बल्कि 67 परीक्षार्थी टॉपर हो गए। हरियाणा के एक ही सेंटर पर एक ही सीरीज के रोल नंबर वाले छह-छह परीक्षार्थी टॉपर हो गए, तो गोधरा और पटना में पूरा का पूरा सेंटर ही मैनेज होने की बातें सामने आईं। दूसरी तरफ, परीक्षा में कथित तौर पर देरी का हवाला देकर एनटीए ग्रेस मार्क्स (कृपांक) देने की बातें कहकर अपना पल्ला झाड़ रहा है। यह तो भला हो हमारी न्यायपालिका का, जो उसने देश भर से उठ रहे विरोधी स्वर को तरजीह दी और ऐसे कथित फर्जी टॉपरों पर नकेल कसने के लिए ग्रेस मार्क्स पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट के उ क्त आदेश के बाद मामला थोड़ा शांत जरूर हुआ है, लेकिन देश भर में गड़बड़ियों को लेकर विरोध का सिलसिला लगातार जारी ही है। वे नीट की परीक्षा लेने से लेकर परीक्षा परिणाम जारी करने तक की पूरी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे हैं, जो लाजमी भी है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि पहले एक, दो या तीन बच्चों को 720 में से 720 नंबर मिलते थे। पिछले साल भी मात्र दो परीक्षार्थी ही फुल मार्क्स पा सके थे, लेकिन इस बार के एग्जाम में 67 छात्रों को पूरे नंबर मिले हैं। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि नीट परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को ग्रेस मार्क्स मिले हों। इस बार 1563 छात्रों को ग्रेस नंबर मिले हैं। इस पर सवाल उठे तो ग्रेस मार्क्स हटा दिए गए। दूसरा बड़ा सवाल यह है कि 718 और 719 मार्क्स कैसे आए, जबकि यह असंभव है। तर्क है कि नीट का पेपर 720 नंबर का होता है। हर सवाल चार नंबर का होता है और गलत उत्तर पर एक अंक की नेगेटिव मार्किंग होती है। कोई छात्र अगर सभी सवालों का सही उत्तर देता है तो उसके पूरे 720 में से 720 आते हैं और अगर एक सवाल छोड़ देता है तो उसके 716 अंक आएंगे। वहीं, एक सवाल गलत करता है तो उसके 715 अंक रह जाएंगे। ऐसे में 718 व 719 अंक हासिल कर पाना असंभव है। लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन ही नीट रिजल्ट क्यों जारी किया गया? जबकि इसकी संभावित तिथि 10 दिन बाद थी। यह सवाल भी उठ रहे हैं। तीसरा आरोप सेंटर हाईजैकिंग का है। जब से यह परीक्षा आयोजित हुई, तब से यह सवाल उठ रहे हैं कि कुछ बच्चों के पैरेंट्स ने लाखों रुपये देकर पूरा का पूरा सेंटर खरीद लिया। इसके अलावा, पर्चा लीक का भी आरोप है। 5 मई को पटना पुलिस ने एक ऐसा गैंग पकड़ा, जिसने स्वीकारा है कि कई छात्रों को एक रात पहले ही एग्जाम पेपर सॉल्व करवाया था।

कुल मिलाकर कहें तो इस तरह की परीक्षा देश में स्वच्छ शिक्षा-प्रणाली की परीक्षा है, जिसमें यह फेल हो चुकी है। पैसे के बल पर बेईमानी से जो मेडिकल पढ़ाई शुरू करने के लिए ऐसी धांधली कर सकते हैं, क्या गारंटी कि वो पढ़ाई के दौरान मुन्नाभाई नहीं बनेंगे और ऐसे डॉक्टरों के भरोसे मरीजों का क्या होगा, इसका अनुमान आप स्वयं ही लगा सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो यह भ्रष्टाचार की बुनियाद पर देश की जर्जर स्वास्थ्य-व्यवस्था को और खोखला करने की तैयारी थी। संयोगवश, देर से ही सही, पर दुरुस्त फैसला आया। अब जरूरत है इस तरह के गोरखधंधे में संलिप्त सभी लोगों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की, ताकि वे दोबारा ऐसा करने की सोच भी न सकें और नीट भी नीट और क्लीन बन सके, साथ ही देश के नौनिहालों का भविष्य संवर सके। *(ये लेखक के निजी विचार हैं।)*

पितृ-दिवस

परिवारक परिभाषा बदलल,
सन्तति पत्नी संग ओ आप ।
सर समाज सकल केँ तेजल,
छोड़ि देलक माय आ बाप।।

काहि ओ काटय काते बैसल
मोन मे रखने पूतक आस।
घूरि ने बेटा ताकय कखनहुँ
नाचय बनि घरनी केर दास।।

जकर भविष्यक चिन्ता मे
अपन सुखक से आहुति देल।
आइ नयन नोरे अछि भीजल
मात्र चाह संतति सुख लेल ।।

बचल ने बेटा केर घर मे छै
वृद्ध माय बापक ले कोन ।
वृद्धाश्रम मे जा राखै ले
बना लेलक अछि बेटा मोन।।

एक दिवस कहि पिता नाम
बूझय भेल हमर इति कर्म ।
बाप जनम भरि पूतक सोचय
की पूतक अछि एतबहि धर्म।?।

मैथिली कविता

- शम्भुनाथ -

प्रचंड तपिश और भीषण उमस के बीच बिजली की लचर स्थिति हुई जानलेवा

गर्मी फुल, बिजली गुल... चासवासियों का हाल बेहाल, तो बोकारोवासी भी रतजगा को विवश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले में गर्मी का प्रकोप इस बार पिछले पांच के रिकॉर्ड को तोड़ चुका है। 2020 से लेकर अबतक के आंकड़े बताते हैं कि इस बार का मई-जून सबसे गर्म है। पारा 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच चुका है। सुबह के 7 बजे से लेकर शाम के 7 बजे तक चलने वाले लू के थपेड़ों और उमस भरी गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। ऐसे में बिजली की लचर स्थिति ने स्थिति जानलेवा बना दी है। चास में बमुश्किल तीन-चार घंटा ही ठीक से बिजली रह पा रही है। जिनके पास इंवर्टर हैं, वे भी चार्ज नहीं हो पा रहे और लोग गर्मी में घर में भी उबलने को विवश हैं। इसी प्रकार, बोकारो इस्पात के विभिन्न सेक्टरों में भी लगातार अप्रत्याशित बिजली कटौती जारी है। दिन हो या रात, कब बिजली गुल हो जाए और लोगों की नींद हराम हो जाए, कहना कठिन है। गर्मी के प्रकोप और बिजली की यह लचरतम स्थिति अब जान पर बन आई है।

शनिवार को बोकारो में दो अलग-अलग जगहों पर लू से मौत का मामला सामने आया। चीराचास के बिरसा नगर निवासी तृप्ति बाखला (67) की तेज गर्मी के कारण शनिवार को मौत हो गई। मृतका के पुत्र रवि बाखला ने बताया कि चीराचास क्षेत्र में बीते कई दिनों से बिजली कटौती के कारण गर्मी से परेशानी हो रही थी। लगातार कई-कई घंटे बिजली नहीं रहने से मां परेशान रहती थी। शनिवार को सुबह तक मां ठीक थी, लेकिन करीब 9.30 बजे के आसपास मां अचानक ही बेहोश होकर घर में ही गिर गईं। बोकारो जनरल अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दूसरी घटना चंद्रपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बंदियों पंचायत के कोरकोटा गांव में हुई, जहां 65 वर्षीय बुजुर्ग हुलास महतो की मौत लू लगने से हो गई। वह दोपहर एक बजे अपनी गाय खोजने पंचफेटी जंगल गए थे। वहीं वह एक पेड़ के नीचे मूर्छित होकर गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

जनसंख्या के आधार पर सर्वे कराकर सुदृढ़ करें बिजली-व्यवस्था : सांसद

लचर बिजली व्यवस्था में सुधार को लेकर शीर्ष जनप्रतिनिधियों से लेकर आला अधिकारी भी संजीदा दिख रहे हैं। बीते दिनों सर्किट हाउस में बिजली-पानी सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर हुई बैठक में धनबाद संसदीय क्षेत्र नवनिर्वाचित सांसद ढुल्लू महतो ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में जनसंख्या के आधार पर सर्वे कराकर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को बिजली की समस्या न हो।

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने बरसात से पूर्व इंसुलेटर खरीदना सुनिश्चित करने को कहा, ताकि बारिश में बिजली कटौती की समस्या न रहे। साथ ही उन्होंने दोनों कार्यपालक अभियंता बिजली विभाग को निर्देश दिया की ऊर्जा मित्र एकमुश्त बिलिंग को सुधारें एवं नियमित बिजली बिल भेजें, जिससे किसी भी उपभोक्ता को परेशानी न झेलनी पड़े। उन्होंने आगे कहा कि बिना अनुसंधान किये किसी भी व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करें। श्री बाउरी ने बोकारो इस्पात नगर क्षेत्र में भी बिजली में सुधार की बात कही।

वहीं, उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि बहुत जल्द बिजली की समस्या दूर कर लिया जाएगा, इसके लिए बिजली विभाग के सभी अभियंताओं को निर्देश दिया गया है। उन्हें कहा गया है कि बिजली से संबंधित उपकरण जल्द से जल्द खरीदकर जहां जरूरत हो, वहां जल्द से जल्द उसको लगा दिया जाए, ताकि बिजली की समस्या दूर किया जा सके। उन्होंने बताया कि आमजन बिजली से संबंधित शिकायत अधीक्षण अभियंता चास विद्युत प्रमंडल के मोबाइल नंबर-9431135806 पर कर सकते हैं।

अभी राहत नहीं... हीट वेव के साथ बारिश और वज्रपात के भी आसार

मौसम विज्ञान केन्द्र, रांची से जारी वेदर बुलेटिन के अनुसार, आने वाले दिनों में हीट वेव से राहत नहीं मिलने वाली है। अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।हालांकि, राज्य के विभिन्न भागों में तेज हवा का झोंका भी देखने को मिल सकता है। कई स्थानों में गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की प्रबल संभावना है। वज्रपात भी हो सकता है, जिससे तात्कालिक राहत जरूर मिलेगी, लेकिन लू के थपेड़े जल्द पीछा नहीं छोड़ने वाले।

अधिकारी बोले- आंधी-तूफान के कारण हुई दिक्कत

शनिवार को कांग्रेस नेत्री श्वेता सिंह ने चास बिजली कार्यालय में विद्युत संकट को लेकर वार्ता की। इस दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग के पास सारे संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ दिनों पहले ही आंधी तूफान के कारण बूढ़ीडीह गांव के पास चंद्रपुरा डीवीसी लाइन में 33000 वोल्ट के कई पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे, जबकि विभिन्न क्षेत्रों में कई जगह 11000 वोल्ट के तार और पोल गिर गए थे। इसके कारण शहर वासियों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही थी। इसपर 10 दिनों से लगातार काम चल रहा है। जल्द स्थिति सामान्य हो जाएगी।

उपलब्धि

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मानक-अनुपालन की कोशिशें लाईं रंग, विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल

चिन्मय विद्यालय बना नाबेट मान्यता-प्राप्त झारखंड का पहला स्कूल

संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो नाबेट (राष्ट्रीय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड) से अधिमान्यता मिली है। झारखंड में इस प्रतिष्ठित प्रमाणन को प्राप्त करने वाला यह पहला विद्यालय बन गया है। विद्यालय को यह ऐतिहासिक मान्यता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुकरणीय मानकों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता दिखाए जाने के कारण मिली है। एन.ए.बी.ई.टी. (नाबेट) भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू.सी.आई.) की एक शाखा है, जो भारत सरकार के तत्वावधान में काम करती है। यह संगठन राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने और बनाए रखने के लिए समर्पित है। एक प्रेसवार्ता में विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी ने इस अधिमान्यता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मान्यता, चिन्मय विद्यालय के उच्च शैक्षिक और परिचालन मानकों के पालन का एक शक्तिशाली समर्थन है, जो माता-पिता को यह आश्वासन प्रदान करता है कि उनके बच्चे सुरक्षित, सक्षम और पालन-पोषण करने वाले हाथों में हैं।

बोकारो के शिक्षा-जगत में मील का पत्थर

मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि नाबेट द्वारा हमारी मान्यता चिन्मय विद्यालय, बोकारो के लिए एक मील का पत्थर है। यह मान्यता शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए हमारे अथक प्रयास और हमारे छात्रों के लिए एक सुरक्षित, सहायक और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह सम्मान प्राप्त करने वाले झारखंड के पहले स्कूल होने पर हमें बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि चिन्मय विद्यालय, बोकारो की शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण जेईई और नीट जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में इसके छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से और भी स्पष्ट होता है। शिक्षा के प्रति स्कूल का समग्र दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि छात्र न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट हों, बल्कि 21वीं सदी में सफलता के लिए आवश्यक आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और नेतृत्व कौशल भी विकसित करें। नाबेट की ओर से मिली यह मान्यता, स्कूल के मजबूत बुनियादी ढांचे, नवीन शिक्षण पद्धतियों और निरंतर सुधार प्रक्रियाओं का प्रमाण है।

अथक परिश्रम हुआ सार्थक

प्राचार्य के अनुसार, नाबेट से प्रमाणन प्राप्त करने में विद्यालय के 47 वर्षों का शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विश्वरुप मुखोपध्याय का कुशल मार्गदर्शन, सचिव महेश त्रिपाठी का सहयोग, मानव संसाधन विभाग की प्रभारी सुप्रिया चौधरी के वर्षों का अथक परिश्रम एवं परमपूज्य गुरुदेव स्वामी स्वामी चिन्मयानंद महाराज के दिव्य आशीर्वाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने इस लक्ष्य की प्राप्ति में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों के संरचनात्मक योगदान के प्रति आभार जताया।

पर्यावरण मानकों को ले रिपोर्ट तलब

जिला गंगा समिति की बैठक में एनजीटी मामलों के अनुपालन पर हुई चर्चा

संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर समाहरणालय स्थित सभागार में जिला गंगा समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) रजनीश कुमार ने की। मौके पर डीआरडीए निदेशक मेनका, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा वंदना शेजवलकर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार आदि मौजूद रहे। बैठक में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) आवेदन संख्या 200/2014 (एम.सी. मेहता वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया एंड अदर्स) में 10.04.2024 को पारित आदेश के अनुपालन को लेकर अब तक की गई कार्रवाई एवं पूर्व में इसको लेकर आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन प्रतिवेदन पर विस्तार से चर्चा की गई।

नोडल पदाधिकारी ने विभिन्न सरकारी व निजी औद्योगिक इकाई द्वारा पूर्व में उपलब्ध कराएं गए प्रतिवेदनों की जानकारी दी। बताया कि एनजीटी द्वारा 10 अप्रैल 2024 को दिए आदेश के आलोक में जिले से समेकित प्रतिवेदन पुनः एनजीटी को समर्पित किया जाना है। एनजीटी द्वारा सीवेज, म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट डिस्पोजल, कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन वेस्ट, इंडस्ट्रियल एफ्लूएंट डिस्चार्ज, रेगुलेशन ऑफ फ्लड प्लेन जोन, बायो मेडिकल वेस्ट, मीनिंग आदि बिंदुओं पर संबंधित विभाग/उद्योग/प्राधिकार/अर्बन लोकल बाडी आदि से जवाब तलब किया है।

इसी को लेकर सभी संबंधित बोकारो स्टील प्लांट, नगर निगम चास, नगर परिषद फुसरो, बियाडा, सीसीएल कथारा, वेदांता, सिविल सर्जन बोकारो, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग चास, कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई कार्यालयों, जल संसाधन विभाग, जिला खनन कार्यालय बोकारो, सीसीएल ढ़ोरी, सीसीएल बी एंड के करगली, सीटीपीएस, बीटीपीएस, टीटीपीएस, बीपीएससीएल, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तेनुघाट, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र एवं करखाना निरीक्षक के कार्यालय को पुनः अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

बैठक के दौरान जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री कुमार ने आगामी सोमवार तक सभी विभागों को अपना प्रतिवेदन एनजीटी द्वारा मांगी जानकारी के अनुसार विधि शाखा को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मौके पर संबंधित विभागों, जिले में संचालित औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

गर्मी में लोगों की प्यास बुझा रही बोकारो रोटरी

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी की महिला कमेटी प्रचंड गर्मी में लोगों की प्यास बुझाने का सद्कार्य कर रही है। बोकारो स्टील सिटी के नया मोड़ स्थित बस पड़ाव पर बस में सफर कर रहे लंबी दूरी के यात्रियों के बीच करीब 300 बोतल मिनरल वाटर वितरित किया। इसके पूर्व, बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पर हटिया-बर्दवान पैसेंजर ट्रेन में सफर कर रहे सामान्य श्रेणी के यात्रियों के बीच करीब 1200 बोतल मिनरल वॉटर वितरित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के निचले वर्ग के रेल यात्रियों को इस भीषण गर्मी में प्यास से राहत दिलाना था। यात्रियों ने इस पुनीत कार्य के लिए क्लब सदस्यों को हृदय से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रोटेरियन घनश्याम दास, महासचिव महेश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अशोक तनेजा, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप सिंह, पूर्व अध्यक्ष भवानी शंकर जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष मदन मन्नू श्रीवास्तव, अमृत महतो, अलका गुप्ता, शीला जायसवाल, नीलम दास, अशोक केडिया और नरेश लोधा आदि शामिल थे।

ग्राम परिवर्तन प्रोजेक्ट गोड़ाबाली में लघु उद्यम का शुभारंभ, मिली रोजी-रोटी

ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे आया डालमिया भारत फाउंडेशन

संवाददाता

बोकारो : भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनी, डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) की कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) शाखा, डालमिया भारत फाउंडेशन (डीबीएफ) ने ग्रामीण समुदायों को अधिक आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक रूप से सबल बनाने में मदद करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने बोकारो के उत्तरी गोराबाली गांव में पांच छोटे व्यवसायों (माइक्रो-इंटरप्राइजेज) की शुरूआत की है। इन नए व्यवसायों में चार किराना दुकानें और एक कॉस्मेटिक दुकान शामिल हैं। यह प्रयास डीबीएफ के ग्राम परिवर्तन प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जरुरी समर्थन और विकास पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है।

डालमिया भारत फाउंडेशन की ग्राम परिवर्तन योजना के तहत सभी लाभार्थियों को खुद के माइक्रो-इंटरप्राइजेज स्थापित करने में मदद मिली। इतना ही नहीं, डीबीएफ टीम ने उन्हें बैंक्स से लोन दिलाने में भी मदद की, ताकि वे बिना किसी परेशानी के खुद का व्यवसाय शुरू कर सकें या इसका विस्तार कर सकें। इस अवसर पर स्थानीय समुदाय के बालेश्वर सिंह राठौर एवं डीबीएफ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जनजीवन-स्तर में सुधार ही फाउंडेशन का लक्ष्य : प्रिय रंजन

उक्त पहल पर टिप्पणी करते हुए डीसीबीएल बोकारो प्लांट के यूनिट हेड प्रिय रंजन ने कहा कि डालमिया भारत में हम जमीनी स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और स्थायी भविष्य के लिए अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोड़ाबाली में इन माइक्रो-इंटरप्राइजेज की स्थापना कर हमारा लक्ष्य रोजगार के अवसर उत्पन्न करना, स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर में सुधार करना और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। एक व्यापक दृष्टिकोण के तहत हमारे ये प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण जीवन देते हुए सभी के विकास, सामाजिक स्थिरता और समुदाय के सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देते हैं। इसका लक्ष्य गरीबी को कम करना, आर्थिक प्रगति में तेजी लाना और ग्रामीण परिवारों के जीवन की गुणवत्ता में बेहतर सुधार करना है।

हफ्ते की हलचल

चास रोटरी ने समाजसेवियों को किया सम्मानित

बोकारो : रोटरी क्लब चास की ओर से चीरा चास स्थित रोटरी भवन में पेशे की प्रकृति के अनुरूप समाज को दिए गए उनके योगदान और सहायता के लिए व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बोकारो विधायक बिरंची नारायण के हाथों समाज सेवा, पत्रकारिता एवं स्वास्थ्य के माध्यम से समाज हित में सहभागी बने दर्जनों लोग सम्मानित किए गए। अतिथियों का स्वागत रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद व शैल रस्तोगी ने किया। मुख्य अतिथि बिरंची नारायण ने अपने संबोधन में कहा कि रोटरी क्लब चास ने सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में उत्कृष्ट मिसाल कायम की है। संस्था के पूर्व अध्यक्ष मनोज चौधरी ने वोकेशनल अवार्ड की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परोपकार की सेवा भावना ही रोटरी का मुख्य ध्येय है। इस अवसर पर उपस्थित बोकारो फाउंडेशन की अध्यक्षा नीना नारायण का पौधा भेंट कर कमल तनेजा ने स्वागत किया। मौके पर चास रोटरी की सचिव सचिव डिंपल कौर, डॉ पुष्पा, चेंबर अध्यक्ष प्रदीप सिंह, पूर्व अध्यक्ष अशोक तनेजा, महेश गुप्ता, राजेश केडिया, धनेश बंका, मंजीत सिंह, कुमार अमरदीप, विपिन अग्रवाल, नरेंद्र सिंह, हरबंस सिंह, चरनप्रीत सिंह, दीपक अग्रवाल, माधुरी सिंह, आरती पारख, रितु अग्रवाल, किरण कुमार, ब्रेन्डा टबोडा, पूनम अग्रवाल,आनंद अग्रवाल आदि उपस्थित थे। संचालन मुकेश अग्रवाल एवं संजय बैद तथा धन्यवाद ज्ञापन सिद्धार्थ पारख ने किया। समापन राष्ट्रगान से हुआ।

डीपीएस बोकारो के शिक्षक मयंक को विश्वरत्न सम्मान

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के संगीत शिक्षक मयंक कुमार भक्त ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए पूरे झारखंड को गौरवान्वित किया है। तबला शिक्षक मयंक को विश्वरत्न सम्मान 2024 से नवाजा गया है। नीति आयोग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार से संबद्ध संगठन वर्दी वेलनेस फाउंडेशन ने वैश्विक स्तर पर संगीत शिक्षकों के लिए हाल ही में एक स्पर्धा करवाई थी। इसमें संबंधित वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि के लिए एकमात्र मयंक को उक्त सम्मान के लिए चयनित किया गया। संगीत-शिक्षण के प्रति समर्पण, लगन एवं संगीत के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारकर जीवन में समृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने बच्चों को संगीत सिखाने के नवोन्मेषी तरीके एवं आयुवार उन्हें समझाने की रोचक विधियों को लेकर अपनी प्रविष्टि भेजी थी। उन्हें पुरस्कार-स्वरूप प्रशस्ति-पत्र, शील्ड व मेडल प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने मयंक को इस विश्व-प्रतिष्ठित सम्मान के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वास्थ्य-कल्याण को ले शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में विद्यालय के शिक्षकों में एक दृष्टि विकसित करने के लिए स्कूल हेल्थ एंड वेल बीइंग (विद्यालय स्वास्थ्य कल्याण) विषय पर दो-दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय के सचिव सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, रिसोर्स पर्सन डॉ. पी. शैलजा जयकुमार (प्राचार्या, चिन्मय विद्यालय) एवं अनिंदिता भद्रा (प्रधानाध्यापिका, डीपीएस बोकारो) ने मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित कर किया। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है कि उनका मानसिक, शारीरिक, नैतिक एवं भावनात्मक विकास हो। रिसोर्स पर्सन्स ने पूरी तन्मयता के साथ कार्यशाला में रोचकता बनाए रखी। अनिंदिता भद्रा ने बच्चों के समग्र विकास के प्रति शिक्षकों में संचेतना लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला का समापन संगीत विभाग की प्रस्तुति विद्यालय गीत से हुआ। कार्यशाला का संचालन सुप्रिया चौधरी ने किया।

अनाथ बच्चों को कराई वाटर पार्क की सैर, खिल उठे चेहरे

बेरमो : अनाथ नन्हें बच्चों के चेहरे में मुस्कान और दिन को खास बनाने के लिए रामगढ़ रांची रोड स्थित तरंग वाटर पार्क में अनाथ तथा जरूरतमंद बच्चों को वाटर पार्क ले जाकर उन्हें पानी में मस्ती करने के लिए ले जाया गया, जहां बच्चों ने पार्क में काफी लुत्फ उठाया तथा लजीज व्यंजनों का भी स्वाद लिया। सभी बच्चों के चेहरे पर काफी खुशी देखी गई और बच्चे यहां आकर काफी खुश नजर आए। बच्चों ने कहा - हमलोगों को आज जो खुशी मिली है, वह बताया नहीं जा सकता। अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि बच्चों की खुशी को देखकर हमलोगो को भी काफी खुशी हो रही है। हमलोगो ने भी बच्चों के साथ भोजन किया मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। हम सभी को अपने आसपास जरूरतमंदों व्यक्तियों के काम आना चाहिए।इस दौरे में संस्था के संरक्षक अनिल मोदी तथा तरंग वाटर पार्क के तरफ से काफी सहयोग रहा।

सीएम चंपाई सोरेन से मिले गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर, ज्वलंत मुद्दों को लेकर की वार्ता, कहा-

जनजातीय भाषाओं के लिए हो अकादमी का गठन

पतरातू डैम की तरह विकसित हो सकता है तेनु डैम

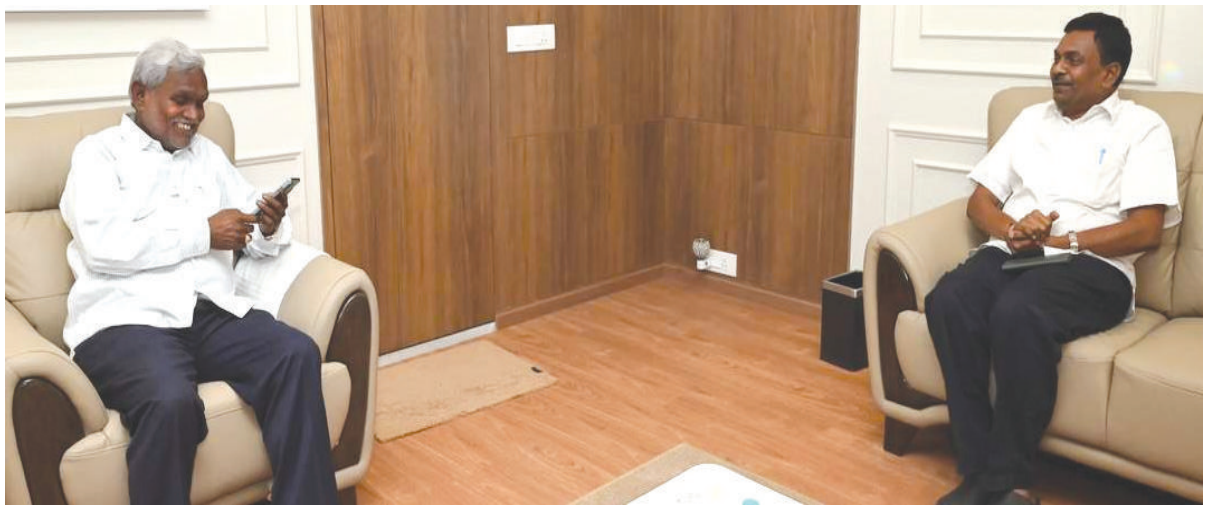

शिक्षकों की भी बहाली किए जाने की मांग, मिला सकारात्मक आश्वासन

संवाददाता

रांची/बोकारो : आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव व गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्य के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मिलकर अपने विधानसभा क्षेत्र की जन-समस्या व राज्य के ज्वलंत मुद्दों को लेकर चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री का ध्यान झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के लिए अलग-अलग भाषा अकादमी का गठन करने की ओर आकृष्ट कराया और उनसे कहा कि ऐसा होने से भाषाओं का विकास व संवर्धन हो सकेगा।

उन्होंने मुंडारी, कुडुख, हो, खड़िया, संथाली, कुरमाली, खोरठा, नागपुरी व पंचपरगनिया भाषा की पढ़ाई क्लास वन से लेकर पीजी तक सुनिश्चित करने पर भी बल दिया और जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा के शिक्षकों की पद को स्वीकृति करते हुए इन पदों पर शिक्षकों की बहाली की मांग की। कहा कि ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने जातीय जनगणना कराने और लंबित विधेयक को स्वीकृत करने की भी मांग की है। लंबित विधेयक के लिए कानूनी दृष्टिकोण अपने का आग्रह किया है। उन्होंने 1932 खतियान आधारित स्थानीय व नियोजन नीति बनाने की दिशा में जरूरी कार्य करने और राज्य में डीएमएफटी में पड़े करोड़ों की राशि को विकास योजनाओं के लिए जारी करने, तेनुघाट डैम को पतरातू डैम की तर्ज पर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के सरकारी प्रस्ताव को मूर्तरूप रूप देने और बेरमो अनुमंडल को जिला बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल की अपेक्षा जताई।

साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री का ध्यान गझंडी से हरलुंग भाया चतरोचट्टी और रजरप्पा से लेकर ललपनिया भाया बड़की पन्नू सड़क निर्माण की लंबित प्रशासनिक स्वीकृति की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया और उनसे इस विषय पर शीघ्र समुचित कदम उठाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने डॉ लंबोदर महतो की बातों व मांगों को ध्यानपूर्वक सुनकर सभी विषयों पर संबंधित विभाग को समुचित दिशा निर्देश देने को लेकर आश्वस्त किया।

अपने अधिकार को ले गोलबंद होंगे डेंटिस्ट

बोकारो में झासा-दंत संवर्ग की प्रमंडलीय बैठक 30 को

बिहार की तर्ज पर बने नियमावली : डॉ. निकेत चौधरी

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में झारखंड राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ (झासा) दन्त संवर्ग के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय स्तर की एक दिवसीय बैठक आगामी 30 जून को होगी। प्रमंडल अंतर्गत सभी जिलों के दंत चिकित्सक एकजुट होकर अपने हक को लेकर आंदोलन की रणनीति तय करेंगे।

राज्य झासा दन्त संवर्ग के संयुक्त सचिव सह- आयोजन समिति के सचिव डॉ. निकेत कुमार चौधरी ने बताया कि झासा संगठन को मजबूत करने एवं प्रमंडल अंतर्गत सभी जिलों के दन्त चिकित्सा पदाधिकारियों की जो भी समस्याएं होंगी, उन सभी मुद्दों पर इस बैठक में चर्चा होगी।

उन्होंने बताया कि विगत दिनों झासा की राज्य कार्यकारिणी द्वारा विभागीय प्रधान सचिव को 14 सूत्री मांग पत्र दिया गया है, जिसमें एमबीबीएस की तर्ज पर दन्त चिकित्सा पदाधिकारियों की भी रिटायरमेंट की उम्र सीमा 65 वर्ष से बढ़ा कर 67 वर्ष करने, बिहार की तर्ज पर दन्त चिकित्सा पदाधिकारियों के नियमावली में बदलाव करते हुए चार डीएसीपी का लाभ देने, पांच वर्षों से लंबित पदोन्नति का लाभ दन्त चिकित्सा पदाधिकारियों को देने, एमबीबीएस की तर्ज पर स्नातकोत्तर (पीजी) उतीर्ण दन्त चिकित्सा पदाधिकारियों को भी विशेषज्ञ चिकित्सक के कैडर में शामिल करने की मांगें शामिल हैं।

डॉ. निकेत ने बताया कि उक्त प्रमंडलीय बैठक में इन सभी मुद्दों पर चर्चा होगी, ताकि मांगों पर विभाग जल्द से जल्द पहल करे। बैठक को सफल बनाने के लिए जिला स्तर पर एक कमेटी बनाई गई है, जिसमें डॉ महालक्ष्मी, डॉ नेहा वर्मा, डॉ राजेश प्रसाद, डॉ ऋचा को सदस्य बनाया गया है।

सीतामढ़ी में बनेगा भव्य जानकी मंदिर, फिर चालू होगी रीगा चीनी मिल : देवेश

मिथिला डायरी

संवाददाता

सीतामढ़ी : सीतामढ़ी के नवनिर्वाचित सांसद देवेश चन्द्र ठाकुर के सम्मान में जिले के भाऊर बाजार स्थित शाही मार्केट में आभार सह- धन्यवाद समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री ठाकुर ने अपनी जीत के लिए जदयू और उसके सभी सहयोगी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया। साथ ही, पिछले तीन दशक के अपने राजनीतिक जीवन में समाजसेवा के क्षेत्र में किये गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर उन्हें वोट दिया है। सभी पांचों दलों के आशीर्वाद से ही उनकी जीत हुई है।

श्री ठाकुर ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी भी जात-पात की बात नहीं सोची और जो भी लोग जिस कार्य से उनके पास आये, उन्होंने उनका काम किया। लेकिन, यह चुनाव किस तरह से लड़ा गया, परिणाम सामने आ चुका है। जिस तरह से सभी लोगों ने मेहनत की, उससे यह उम्मीद थी कि यह चुनाव कम से कम डेढ़ लाख मतों के अंतर से जीतेंगे। लेकिन, जिस समाज के लोगों ने आज तक उनसे लाभ लिया, कुछ अपवाद को छोड़कर उसी समाज ने धोखा दिया है। अब इससे उन्हें सतर्क रहना होगा।

उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी में भव्य जानकी मंदिर का निर्माण जल्द शुरू होगा। यह बात गृह मंत्री अमित शाह भी पहले ही कह चुके हैं। भव्य जानकी मंदिर निर्माण के साथ ही रीगा चीनी मिल भी जल्द चालू होगी और यहां रेलवे कनेक्टिविटी के कार्य किये जाएंगे। सीतामढ़ी जिले के विकास में कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दाखिल खारिज या अन्य किसी काम में कोई कर्मी या अधिकारी रिश्वत मांगते हैं तो सीधा मुझे फोन करें, कार्रवाई होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष कामोद कुमार बसंत ने की व संचालन मुखिया सुनील पासवान ने किया। जबकि, धन्यवाद ज्ञापन रविन्द्र शाही ने किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जदयू नेता सह-पूर्व जिला परिषद सदस्य संजय कुमार झा ने उपस्थित लोगों व क्षेत्र के मतदाताओं को देवेश चन्द्र ठाकुर की जीत को लेकर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में विधान पार्षद रेखा कुमारी, बिहार सरकार की पूर्व मंत्री डॉ. रंजू गीता, पूर्व विधायक रामजीवन प्रसाद, जदयू नेता सह- अधिवक्ता विमल शुक्ला सहित भाजपा, जदयू, लोजपा, हम व रालोसपा के नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खड़का के लोगों ने दिखाई एकजुटता

जिले के बोखड़ा प्रखंड अंतर्गत खड़का बसंत के ग्रामीणों ने इस चुनाव में एकजुटता का परिचय दिया है। यही कारण रहा कि बोखड़ा प्रखंड की सभी पंचायतों में से खड़का बसंत में देवेश चन्द्र ठाकुर को सर्वाधिक बढ़त मिली। उल्लेखनीय है कि खड़का में श्री ठाकुर को अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी राजद के अर्जुन राय से 2022, चकौती में 1835, बुधनगरा में 1078, महिसौथा में 895, कुरहर में 828, बाजितपुर में 557 तथा सिंगाचौरी में 242 मतों की बढ़त हासिल हुई। पूर्व जिला पार्षद संजय कुमार झा ने इस एकजुटता के लिए ग्रामीण मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट किया है।

शोभा की वस्तु बनी 1.89 करोड़ से बनी जलमीनार, पेयजलापूर्ति ठप

मधुबनी : जिले के झंझारपुर में अनुमंडल कार्यालय के समीप बनी 1.89 करोड़ रुपए की लागत से दो साल पहले जलमीनार आज पूरी तरह से शोभा की वस्तु बन चुकी है। इससे जलापूर्ति ठप है और इलाके के लोगों को इस प्रचंड गर्मी में पानी के लिए काफी दिक्कतें हो रही हैं। इस इकलौती जलमीनार से निर्माण के बाद 2 साल तक पानी की सप्लाई की गई। फिर एकाएक वाटर सप्लाई बंद हो गई। पूर्व के नगर पंचायत स्थित 16 वार्डों में 8 वार्डों के लिए पानी सप्लाई का के लिए जल मीनार बुडको पटना द्वारा 1 करोड़ 89 लाख रुपए की लागत से 2019 में इसका निर्माण शुरू कर वर्ष 2020 के मार्च माह में तात्कालिक नगर पंचायत झंझारपुर को हस्तगत कराया गया था। उसके बाद से वाटर सप्लाई शुरू कर दी गई, जो दो साल बाद बंद हो गई।

असीम आनन्द की यात्रा है क्रिया योग

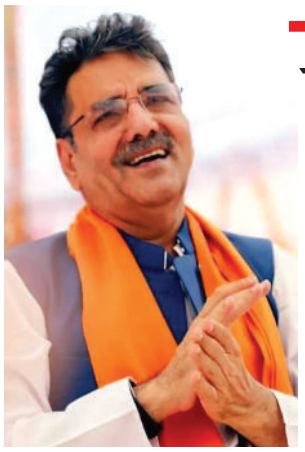

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

क्रिया योग कोई विचित्र शक्ति भाव नहीं है, जो केवल संन्यासियों को ही सिद्ध हो सकती है। साधक जब क्रिया योग को आधार बना लेता है तो कर्म स्वतः सिद्धि के मार्ग पर अग्सर हो जाते हैं। हमारे देह अर्थात् शरीर में बल है। हमारे मन में शक्ति का निवास है। हमारे मस्तिष्क में बुद्धि का निवास है और हमारे सहस्त्रार चक्र में ज्ञान का निवास है। व्यक्ति केवल शरीर बल से सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है, केवल मन की इच्छाशक्ति से सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। केवल बुद्धि और बुद्धि शरीर और मन के सहयोग के बिना अपंग हो जाती है और ज्ञान तो शरीर, मन, बुद्धि का सहयोग है।

प्राचीन काल से हमारे ऋषियों ने इन चारों तत्वों पर विचार किया और आगे चलकर पातंजलि योग सूत्र भी बना, जिसमें योग के आठ स्तरों का निर्माण हुआ। ये आठ स्तर हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि।

हर मनुष्य के मन में यह इच्छा अवश्य रहती है कि मैं अपने जीवन को उन्नत कैसे बनाऊं। धर्म के साथ अर्थ कैसे प्राप्त करूं? अर्थ के साथ कर्म कैसे करूं? और मुझे अपने कर्मों से शांति संतोष और केवल्य ज्ञान कैसे प्राप्त हो?

मनुष्य संसार सागर में बिना पतवार के नाव के समान है, जिसे अपने अस्तित्व का बोध तो है, लेकिन अपने आपको किस दिशा में ले जाना है, उसका लक्ष्य क्या है और किस मार्ग पर चलना है, किस प्रकार से उसकी शक्ति में निरन्तर वृद्धि होती रहे, जिससे मन में उठ रही नई-नई इच्छाओं, मनोकामनाओं की पूर्णता हो सके और वह इस देह को, जो ईश्वरीय उपहार है, उसे सार्थक कर सके और अपने जीवन में बृहदारण्यकोपनिषद् के प्रथम श्लोक -

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्ण मुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवाव शिष्यते।।
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः।। को साकार कर सके।

आधुनिक भाषा में कहा जाये तो यह कहा जा सकता है कि - **हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले।**

प्रत्येक मनुष्य चारित्रिक, मानसिक, दैहिक और बौद्धिक बल, चारों पक्षों को पूर्णता के साथ प्राप्त करना चाहता है, लेकिन उसके प्रयास करने पर भी उसे सफलता प्राप्त नहीं होती है, तो उसके लिये भी एकमात्र उपाय है और यह ब्रह्म सूत्र है- क्रिया योग।

क्रिया योग का सीधा अर्थ है- क्रिया में निरन्तर योग करना और योग के लिये अष्टांग योग सूत्र सबके सामने उपलब्ध है, लेकिन इस मार्ग पर कोई-कोई ही पूर्ण रूप से चल पाता है।

सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि योग का अर्थ है - ध्यान और ध्यान शक्तियों को एकाग्र करने का एकमात्र उपाय है। बिना ध्यान के मनुष्य तो एक कदम भी उठा नहीं सकता है। इसीलिये हम हर बार अपने बच्चों को कहते है कि 'ध्यान से चलो', लेकिन स्वयं अपने ध्यान का ध्यान ही नहीं करते। इसलिये हमारा ध्यान केवल मुख से बोले हुए वचनों के समान हो जाता है, जिसकी क्रिया रूप में परिणीति नहीं हो सकती है। ध्यान आधार है और क्रिया योग उसका प्रस्तुतीकरण।

हमारे जीवन में प्रत्येक क्षण दो विकल्प होते हैं- सक्रिय बनें या निष्क्रिय रहें। क्रिया योग एक प्रामाणिक विधि है, जो आदिकाल से मनुष्य को निष्क्रियता से सक्रियता की ओर, असफलता से सफलता की ओर एवं चंचल चित्त को एकाग्रता की ओर उन्मुख करता है।

जब साधक क्रिया योग की विधा में पारंगत हो जाता है, उसमें ध्यान क्षमता कई

21 जून- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

गुणा बढ़ जाती है और वह अपने अन्दर अवस्थित आत्मा के प्रकाश को मन के परे जाकर अनुभव कर पाता है। इसके बाद उसके जीवन में एक अभूतपूर्व बदलाव आता है। उसके अंदर शक्ति का प्रस्फुटन होता है। जब तक शक्ति सुप्त है, वह आपके लिये किसी काम की नहीं और शक्ति को चेतना से युक्त कर दो तो चेतना से युक्त यह शक्ति, सुख और दुःख को भली-भांति समझ सकती है, और तब यह बाह्य दुःखों का नाश कर सकती है। चेतना युक्त शक्ति, स्थिति बदल सकती है।

न कर्मणामनारम्भन्नैष्कर्म्यं पुरुषोऽश्नुते
न च संन्यसनादेव सिद्धिं समाधिगच्छति।

ना तो कर्म से विमुख होकर कोई कर्मफल से छुटकारा पा सकता है और ना केवल संन्यास से सिद्धि प्राप्त की जा सकती है। कर्म हमारे जीवन में बही-खाता के रूप में आता है, यानि हम किसी क्रिया को करते हैं और उससे सम्बद्ध एक प्रतिक्रिया होती है।

मसलन, आप पुत्र, परिवार के लिए श्रम करते हैं, यहां एक क्रिया हो रही है और इसके अनुपात में आप उनसे प्रेम की अपेक्षा रखते हैं, प्रतिक्रिया सम्पन्न हुई।

मन में चल रही महाभारत

जब तक मन में चल रही खड़खड़ाहट को ट्यून नहीं करेंगे, मन की ऊर्जा को मुक्त कैसे करेंगे?

जब हम समाज में रहते हैं, लोगों के साथ खटपट होती है, क्रिया-प्रतिक्रिया होती है, फलस्वरूप मन में जमी अशान्ति प्रकट होती रहती है। एकान्तवास में खरीदी गई शान्ति नकली है, इसमें नाम मात्र का भी दम नहीं है।

इसलिए कर्म का अभाव या फिर कर्म का त्याग, दोनों अनुचित है। कर्म करने के अलावा साधक के पास कोई अवलम्ब नहीं है। नतीजा इस संसार में हर व्यक्ति जो क्रियारत है, तनाव ग्रस्त है। वह अपने अशान्त मन का दास है और उसकी शान्ति हेतु कभी सैर सपाटा कभी क्रिया, कभी अनुराग तो कभी वैराग में चक्कर लगाता रहता है।

सौ में से निन्यान्वे लोगों का मन विचारों का कुरुक्षेत्र है। वह वादी, प्रतिवादी और न्यायधीश तीनों बना हुआ है। जितनी अधिक मन की विक्षिप्तता बढ़ती है, उतना ही आत्म ज्योति का साक्षात्कार साधक के लिए दुर्लभ हो जाता है।

क्रिया योग मन की बिखरी हुई शक्तियों को एकाग्र करने की क्रिया है। क्रिया का अर्थ काम करना है एवं योग जुड़ना है। क्रिया के साथ जुड़ना किसे है? निःसन्देह मन की ऊर्जा को, आत्मशक्ति को।

आपके मन में शक्ति है, यह जानकारी चेतना से होती है और चेतना को जानकर जाग्रति भी आ गई। फिर बाधा किस बात की है। तब तो निरन्तर और निरन्तर विकास होना चाहिए। फिर भी विकास नहीं हो पा रहा है तो इसका क्या कारण है? इसका एक ही कारण है, यह मन बड़ा ही चंचल है। यह मन जिस ओर ले जाता है, उसी और चले जाते हैं। तब जाग्रति वापिस सुप्तावस्था में चली जाती है। चेतना, अचेतना बन जाती है और शक्ति सुप्त हो जाती है। क्योंकि, मन सदैव आपको बहुत-बहुत सुरक्षित रखना चाहता है। डराकर रखना चाहता है। आपको काबू में रखना चाहता है। अपने अनुसार चलाना चाहता है, इसीलिये वह चेतना की ओर नहीं जा पाता।

क्रिया योग Workaholism तो नहीं

क्रिया योग निरन्तर कर्म करना नहीं है, परिश्रम तो शरीर और बुद्धि के द्वारा किया गया कर्म है। क्रिया योग जागृति है, मूल रूप से क्रिया योग के लिए चेतना आवश्यक है। अब यदि चेतना भी आ गई, लेकिन उसके बाद भी आप जाग्रत नहीं हुए तो चेतना वापिस चली जाती है और यदि थोड़ी देर के लिये यदि आप चैतन्य हो गए, लेकिन अपने आप को पूरी तरह से जाग्रत नहीं किया तो भी आप पनप नहीं सकते हैं। तब तो और भी अधिक तकलीफ हो जाएगी, तो खोल को तोड़कर, अपनी शक्ति को चैतन्य कर, अंकुरण के लिये वृक्ष बनने के लिये निरन्तर उन्नति (विकास) आवश्यक है।

सीधे शब्दों में क्रिया योग का अर्थ मन की ऊर्जा का उपयोग करना है। दूसरा, क्रिया योग का अर्थ कार्यों के परिणाम से अनासक्ति है।

मूलतः दो तत्वों से क्रिया योग निर्मित है- अनासक्ति एवं एकाग्रता। अनासक्ति की शक्ति हमारी समझ से भी गंभीर है। हमारी समस्या है कि हम किसी भी काम को करते हुए मोहग्रस्त हो जाते हैं।

- मैंने श्रम किया, मुझे परिणाम नहीं मिला।
- मैंने श्रम किया, मुझे नाम नहीं मिला।

साधारण मनुष्य नाम और परिणाम के बीच इतना अधिक उलझ जाता है कि अपने मन की शक्ति के सतह को भी छू नहीं पाता है। पतंजलि योग सूत्र के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति मन की इन पांच स्थितियों में से किसी एक में स्थित होता है।

पहला हिस्सा जड़ मन, दूसरा विक्षिप्त मन या चंचल मन, तीसरा दुविधापूर्ण मन, चौथा एकाग्र मन और पांचवा नियंत्रित मन।

मन की विक्षिप्ता का अन्त डिप्रेशन का निदान है। मन की दुविधाओं का शमन खण्डित व्यक्तित्व का समाधान है और मन की जड़ता का समापन कार्य आरम्भ है।

क्रियायोग मन को दिशा प्रदान करता है, बिना उसकी वृत्तियों का दमन किए हुए। सामान्यतः मन को लेकर कुछ वाक्यांश है -

- मन नहीं लग रहा।
- मन नहीं मान रहा।
- मन आपे में नहीं है।
- मन करता है, अर्थात महत्वाकांक्षा।

ये सारे विचार अपनी जगह जायज हैं। इनका विरोध करके आप जीत नहीं पाएंगे। क्रिया योग एक खूबसूरत पद्धति है, जो आपको अभी में जीना सिखाती है। देखिए, एक बात समझ लीजिए कि मन की ऊर्जा का आप थाह नहीं ले सकते हैं।

मनःशक्ति के एक हिस्से का प्रयोग ही आप अपने जीवन में कर पाते हैं, क्योंकि मन का दूसरा हिस्सा तो क्रोध, वासनाओं, महत्वकांक्षाओं का निरन्तर पीछा कर रहा है। जबरदस्ती मन मारकर पालथी मारकर बैठ जाना ध्यान नहीं है। क्रिया योग मन की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देता है, जिसमें कर्म की प्रधानता होती है।

अगर ऊर्जा है तो वह खपेगी क्रिया में ही, और जब ऊर्जा समग्रता में क्रिया करने के लिए उपलब्ध हो, तब लक्ष्य प्राप्ति कितना समीप हो जाएगा।

पतंजलि ध्यान, धारणा एवं समाधि का सुझाव देते हैं मन के भटकाव को एकाग्र करने के लिए। ध्यान सब जानते हैं, पर कर नहीं पाते। जो काम कर रहे हैं, उसके अलावा सब गौण। धारणा ग्रहण करना है, एक सकारात्मक विचार को कि मैं ब्रह्म से भिन्न नहीं हूं।

समाधि तल्लीनता की स्थिति। समग्र विरोध समाप्त, क्रियायोग इस स्थिति को प्राप्त करने की तकनीक है, जिसके द्वारा मन की व्यथा, द्वन्द्व समाप्त हो जाते हैं और आप एक पुनीत लक्ष्य की प्राप्ति हेतु स्वयं को हवि कर देते हैं।

क्रिया योग निरन्तर कर्म करना नहीं है, क्रिया योग ध्यान है। परिश्रम तो शरीर और बुद्धि के द्वारा किया गया कर्म है और ध्यान ही क्रिया का आधार है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

आपकी सेहत का सूपर फूड है सत्तू गर्मी में देता ठंडक, जानिए फायदे

सत्तू, जिसे आमतौर पर भूने हुए चने का आटा कहा जाता है, भारतीय भोजन में बहुत महत्वपूर्ण और पौष्टिक माना जाता है। इसके सेवन के कई स्वास्थ्यवर्धक फायदे हैं, आइए जानते है :

गर्मी में राहत: सत्तू का शरबत गर्मी में ठंडक पहुंचाने के लिए एक उत्कृष्ट पेय है। यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है।

ऊर्जा का स्रोत: सत्तू में उच्च मात्रा में काबोर्हाइड्रेट और प्रोटीन होते हैं, जो शरीर को त्वरित और स्थायी ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह विशेष रूप से गर्मियों में ठंडा और ताजगी प्रदान करता है।

पाचन में सुधार: सत्तू में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सही ढंग से काम करने में मदद करता है। यह कब्ज, अपच, और अन्य पाचन समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक होता है।

वजन घटाने में मददगार: सत्तू लंबे समय तक भूख को दबाए रखता है, जिससे अनावश्यक खानपान से बचा जा सकता है। यह वजन नियंत्रण में सहायक होता है।

प्राकृतिक डिटॉक्स: सत्तू शरीर से विषैले तत्वों को निकालने में मदद करता है और किडनी और लीवर के कार्य में सुधार लाता है।

हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाना: सत्तू में आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जो हीमोग्लोबिन स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। यह एनीमिया से ग्रसित लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है।

हृदय स्वास्थ्य: सत्तू में उपस्थित घुलनशील फाइबर और अन्य पोषक तत्व हृदय के लिए अच्छे होते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद: सत्तू में एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। यह त्वचा की समस्याओं को कम करने में भी सहायक होता है।

- प्रस्तुति : विकास

पीएम मोदी की तीसरी पारी और आक्रामक भारत

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण -

भाजपा नेता और राजग संसदीय दल के सर्वसम्मति से चुने गए नेता नरेंद्र मोदी ने 9 जून को शाम 7 :23 बजे तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके पूर्व, शुक्रवार शाम को ही नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलकर सरकार बनाने का दवा पेश किया था। आजादी के बाद लगातार शपथ लेने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बन गए। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ कई अन्य पडोसी देशों जैसे नेपाल, भूटान, मालदीव आदि देशों के प्रतिनिधि के भी शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे। राजनीति के एक नए और महत्वपूर्ण अध्याय के लिखे जाने की शुरूआत को लेकर ग्रहों की क्या राय है आइये इसे जानें-

शपथ ग्रहण : 9 जून 2024/संध्या 7 :23/दिल्ली -

सकारात्मक संकेत :

1 - वार - रविवार, सूर्य का दिन
2 - नक्षत्र - पुनर्वसु- गुरु का नक्षत्र
3 - योग - ध्रुव
4 - करण - वणिजा
5 - लग्न - वृश्चिक
6 - चंद्र राशि - कर्क
7 - नवांश लग्न मीन है। लग्नेश लग्न में है। इसका अर्थ यह है कि बदलती परिस्थितियों में लचीलेपन के साथ और बेहतर तालमेल बैठाकर किसी भी कार्य को करने की क्षमता का होना।
8 - नवांश में चतुर्थेश चतुर्थ भाव में, पंचमेश पंचम में, षष्ठेश छठे भाव में है।
9 - नवांश में नवम भाव पर नवमेश की दृष्टि है।
10 - नवांश में द्वादश भाव पर द्वादशेश की दृष्टि है।
11 - शुक्र का अस्त। इसके साथ गुरु, सूर्य और बुध का जुड़ जाना इस क्षेत्र से जुड़े कठोर पर चौंकाने वाले निर्णय शीघ्र लिए जाएंगे।

सूर्य के स्वामित्व का दिन इस कार्य के लिए शुभ है। पुनर्वसु नक्षत्र के साथ ध्रुव योग का संयोग भी इस कार्य के लिए बहुत ही शुभ है। कर्क राशि का चंद्र भी इसको अपना आशीर्वाद दे रहा है। सरकार विरोधी षड्यंत्रों को उजागर करने में यह चंद्र मददगार साबित होगा। लग्न पर लग्नेश मंगल और गुरु की दृष्टि, चतुर्थ भाव में चतुर्थेश शनि की उपस्थिति, नवम भाव में नवमेश चंद्र की उपस्थिति एवं सप्तम भाव में सप्तमेश की उपस्थिति अपने सहयोगियों के बीच सहयोगात्मक तालमेल का संकेत दे रहे हैं।

षष्ठेश की छठे भाव में उपस्थिति और शनि की दृष्टि, आक्रामकता के साथ परिवर्तन की एक ऐसी लहर बननी शुरू होगी, जहां उम्मीद के परे संगठनात्मक और संरचनात्मक बदलाव किए जाएंगे। चौंकाने वाले संगठनात्मक बदलाव किए जाने का संकेत है। तमाम कयास, अटकलों और संभावनाओं से अलग जाकर कड़े निर्णय लिए जायेंगे। द्वादश, द्वितीय, अष्टम और दशम का सम्बन्ध सप्तम भाव में सप्तमेश के साथ वैश्विक पटल पर भारत की धाक का धनक सबको सुनाई पड़ेगा।

नकारात्मक संकेत

1 - शाम 7 :15 बजे चतुर्थी तिथि का होना।
2 - रविवार और चतुर्थी के मेल से विष योग का बनना।

शास्त्रों ने चतुर्थी तिथि और 'विष योग' इस तरह के समारोह के लिए पूर्णतः त्याज्य बताया है। लग्नेश मंगल का छठे भाव में जाना जहाँ सीमा सुरक्षा, चाहे वह वैश्विक हो या अंतर्राज्यीय, को लेकर सचेत और सतर्क रहने का संकेत दे रहे हैं। पंचम भाव में राहु का होना, जनसंख्या नियंत्रण कानून, के राह में आनेवाले अड़चनों की स्थिति का संकेत दे रहे हैं। दशम भाव पर शनि की दृष्टि का होना सरकार के लिए अपमानजनक स्थितियों के निर्माण का भी संकेत दे रहे हैं।

राजनीति के एक महत्वपूर्ण अध्याय को लिखे जाने की जब शुरूआत हो रही हो ऐसे में 'चतुर्थी तिथि' और 'विष योग' का निर्माण राह में आने वाली बाधाओं की ओर संकेत कर रहे हैं। तमाम सकारात्मक संकेतों के बीच 'चतुर्थी तिथि' और 'विषयोग' का निर्माण जहां रंग में भंग डालने का काम कर सकते हैं, ऐसे में भारतवर्ष की चलनेवाली दशा पर भी एक नजर डालना जरूरी हो जाता है।

वर्तमान में भारत की चलनेवाली विंशोत्तरी दशा चल रही है चंद्र की। अगले वर्ष यानि वर्ष 2025 में यह दशा बदलकर मंगल की दशा शुरू हो जाएगी। बारहवीं भाव का स्वामी मंगल द्वितीय भाव में होकर छठे भाव से अष्टमेश और एकादशेश गुरु से दृष्ट है। इन भावों के स्वामी का आपस में इस प्रकार जुड़ना भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मजबूती से आगे बढ़ानेवाला साबित होगा।

वर्ष 2026 की शुरूआत होगी मंगल/ राहु की दशा से। यह वह समय होगा जब 'चतुर्थी तिथि' और 'विश योग' अपना प्रभाव दिखाना शुरू करेंगे राज्यों को अस्थिर करके देश को अस्थिर करने की एक जोरदार कोशिश शुरू की जा सकती है। परन्तु, शपथ ग्रहण की कुंडली में छठे भाव में मंगल की उपस्थिति और शनि की दृष्टि यह संकेत दे रहे हैं कि संयमित ढंग से सोच विचार कर प्रतिकूल परिस्थिति को अनुकूल बनाया जा सकता है। मंगल शनि की युति यह संकेत भी दे रहे हैं कि किसी भी प्रकार के हिंसक और आतंकी गतिविधियों से निबटने में सरकार सक्षम होगी किसी भी प्रकार के जोखिम को उठाने से पीछे नहीं हटेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो कुछ ऐसे अवसर आएंगे, जहां 'शिव' की तरह विष को गले में धारण करना पड़ेगा, लेकिन इस सबके बावजूद दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नए और आक्रामक भारत ने अपना पहला सशक्त कदम आज आगे बढ़ाया है, वह सफलता के नए मानक गढ़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाएगा।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषी, योग और आध्यात्मिक चिंतक हैं।)

बैकफुट पर अयोध्या विकास प्राधिकरण

विशेष संवाददाता

अयोध्या : उत्तरप्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर भाजपा की हार का मामला सुर्खियों में रहा है। लोगों ने अपने-अपने तरीके से इस हार के अलग-अलग कारण बताये। लेकिन, अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के बाद नगर के सौन्दर्यीकरण के दौरान यहां के हजारों दुकानदारों की आजीविका पर आघात करने के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण को भी भाजपा की हार का एक प्रमुख कारण माना गया। अब अयोध्या राम मंदिर आंदोलन के वरिष्ठ पत्रकार व प्रेस क्लब अयोध्या के अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निगम के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और उसके बाद अयोध्या विकास प्राधिकरण बैकफुट पर आ गया है। दरअसल, श्री त्रिपाठी ने सड़क चौड़ीकरण में उजाड़े गए व्यापारियों को दुकान न मिलने की मुख्य वजह अयोध्या फैजाबाद विकास प्राधिकरण के नियम व शर्तों को जिम्मेदार बताया था और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। मुख्यमंत्री के आदेश पर अयोध्या विकास प्राधिकरण सड़क चौड़ीकरण में

महेन्द्र त्रिपाठी की शिकायत पर मुख्यमंत्री की फटकार के बाद बदल दी गई शर्तें

उजाड़े गए व्यापारियों को राहत देते हुए अब 20 वर्ष की किश्त पर बिना ब्याज के दुकान आवंटन देने को तैयार हुआ है। संबंधित लोगों को दुकान आवंटित कर उन्हें कब्जा प्रमाण पत्र भी दे दिया। इसके बाद उजाड़े गए व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ गयी है। अयोध्या प्रेस क्लब के अध्यक्ष महेन्द्र त्रिपाठी के अलावा सभी व्यापारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार प्रकट किया है।

दरअसल, पहले दुकान आवंटन के नाम पर बनाई गयी 20 सूत्री नियमावली एफिडेविट में खेल किया गया था, जिससे अयोध्याधाम के दुकानदार दुकान लेने से वंचित हो गये थे। इस मामले में राम मंदिर आंदोलन के वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र त्रिपाठी ने बड़ा खुलासा करते हुए अयोध्या विकास प्राधिकरण को कटघरे में खड़ा कर दिया था। श्री त्रिपाठी ने बताया कि वे भी इस मामले में पीड़ित थे। उनके अनुसार श्रीराम जन्मभूमि पथ के मुख्य गेट पर वे पत्रकारिता कोचिंग सेंटर, कम्प्यूटर टाइपिंग सेंटर व फोटो कॉपी सेंटर लम्बे समय से किराए की दुकान में चला रहे थे। चौड़ीकरण की जद में वे भी आ गए और दुकान के बदले दुकान आवंटन के खेल में उन्हें भी धोखा मिला था। क्योंकि, प्राधिकरण ने दुकान के बदले दुकान आवंटन की जो शर्तें रखी थीं, उन्हें पूरा कर पाना किसी के लिए संभव नहीं था।

उल्लेखनीय है कि महेंद्र त्रिपाठी मंदिर मस्जिद के राम मंदिर आंदोलन के चले मुकदमे में सीबीआई कोर्ट में दो मुकदमों में गवाह रहे हैं और उनकी गवाही भी अहम थी, जिससे सभी राम भक्त आरोपी बाइज्जत बरी हो गए। इतना ही नहीं, राम मंदिर के पक्ष में सिविल मुकदमे के जमीनी विवाद में भी सारे सबूत व फोटो भी न्यायालय में उन्होंने ही दिए, जिससे राम मंदिर के पक्ष में फैसला आया।

श्री त्रिपाठी लंबे समय से रामलला के दरबार में श्रीराम जन्मभूमि स्टूडियो चला रहे थे और 1990 में कारसेवकों पर हुए गोलीकांड को भी अपने कैमरे में कैद किया था। 6 दिसम्बर 1992 की घटना के भी वे साक्षी थे। 14 जनवरी 1992 को एक इंटरव्यू के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर के निर्माण को लेकर लिए गए संकल्प का भी उन्होंने खुलासा किया था और तब नरेंद्र मोदी न तो गुजरात के मुख्यमंत्री थे और न ही प्रधानमंत्री।

इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक्शन से अयोध्या विकास प्राधिकरण ने आनन-फानन में सभी पीड़ितों को फोन कर बुलाया और दुकान आवंटन कर कब्जा प्रमाण पत्र दे दिया है। दुकानदारों ने आवंटित दुकानों में अपना ताला भी लगा दिया है।

पेज- 1 का शेष

खतरे में सर्राफा...

धमकी देने के बाद तथा फुसरो बाजार में लगातार गोली चलने की घटना से स्थानीय सभी प्रकार का व्यवसाय करनेवाले व्यवसायी काफी दहशत में हैं। व्यवसायी परमजीत सिंह, रवि शंकर कुमार, मार्केट संघ के अध्यक्ष अनिल सिंह आदि ने एक स्वर से कहा कि वैसे ही बोकारो थर्मल में डीवीसी का पावर प्लांट बंद एवं सीसीएल कारो स्पेशल फेज दो तथा गोविंदपुर कोलियरी के बंद होने से बाजार काफी मंदी के दौर से गुजर रहा है। बाजार में दुकानदारों की हालत काफी खस्ता है। मंदी के इस हाल में इस प्रकार की धमकी के मिलने से बोकारो थर्मल में व्यवसाय करना मुश्किल हो जाएगा। प्रशासन को मामले में गंभीरता दिखाते हुए संलिप्त लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि व्यवसायी अमन चैन से अपना व्यवसाय कर सकें। बता दें कि ज्ञान ज्वेलरी की घटना के बाद दिनभर और देरशाम तक आक्रोशित व्यवसायियों ने सड़क जाम कर दिया था। उन्होंने अपनी दुकानें भी बंद कर दी थी। आंदोलन में उनका साथ पूर्व सांसद रवीन्द्र पांडेय सहित कई लोगों ने दिया, परंतु बाद में किसी प्रकार उन्हें प्रशासन ने समझा-बुझाकर शांत कराया।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

बौखलाहट में आतंकी

जन्नत में फिर नापाक हिमाकत, खोई जमीन तलाशने की कोशिश

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : भारत का जन्नत माने जानेवाले जम्मू-कश्मीर का इलाका एक बार फिर आतंकी हमलों से दहल चुका है। पीर-पंजाल पर्वत श्रृंखला के दक्षिण में स्थित जम्मू क्षेत्र में 60 घंटे के भीतर एक के बाद एक-एक तक तीन और चार दिनों के भीतर चार आतंकी हमलों से ऐसा लग रहा है जैसे फिर आतंक का नया सिलसिला शुरू हो चुका हो। यह वास्तव में चिंताजनक है। जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा में पिछले चार दिनों में चार आतंकी घटनाएं हुईं। इन आतंकी हमलों से इलाके का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया है।

आतंकी जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय सेना भी इसका मुहंतोड़ जवाब दे रही है। इस हमले के बाद कठुआ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया है और बाकी आतंकियों की तलाश अभी भी जारी है। एक जवान शहीद हुआ और दो आतंकी मारे गए। जबकि, लगभग 50 लोग घायल हो गए। दरअसल, जानकारों की मानें तो इन हमलों के पीछे सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान-परस्त आतंकियों की अपना खोया वर्चस्व और खोई जमीन फिर पाने की कोशिश है। जम्मू-कश्मीर में आजादी के बाद पहली बार इस बार के लोकसभा चुनाव में बंपर वोटिंग के बाद ऐसा लग रहा है कि आतंकियों को अपने अस्तित्व की याद सताने लगी और उन्होंने फिर नापाक हिमाकत कर डाली।

इन हमलों का समय देखें तो पहला जो हमला पीएम मोदी के शपथ-ग्रहण के कुछ समय पहले हुआ। यह हमला वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालुओं पर किया गया। इसे सॉफ्ट टारगेट कहा जाता है। निहत्थे आम नागरिक पर हमले को ही सॉफ्ट टारगेट कहा जाता है। जब आंतकी सुरक्षाबलों पर हमला करते हैं तो उसे हार्ड टारगेट कहा जाता है। श्रद्धालुओं पर हमला करना सॉफ्ट टारगेट था। जम्मू कश्मीर में बहुत समय बाद हुआ है, जब आतंकियों ने निहत्थे लोगों को निशाना बनाया है। हालांकि, कश्मीर रीजन में कुछ हिंदुओं की हत्या हुई थी। उसके बाद फिर कठुआ और डोडा में सुरक्षा बलों के साथ आतंकियों की मुठभेड़ हो गई। इन घटनाओं के पीछे आतंकियों की बौखलाहट दिख रही है।

विदित हो कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बंपर वोटिंग हुई है। वहां पिछले 40 साल का मतदान रिकार्ड टूट गया। बारामूला समेत सभी छह संसदीय सीटों पर मतदाताओं ने रिकार्ड मतदान किया है। घाटी में बंपर वोटिंग पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया। आतंकियों को लगने लगा है कि जम्मू-कश्मीर की जनता एक बार फिर लोकतंत्र में विश्वास करके वोट डालने जा रही है। इससे उन्हें नुकसान होगा। यही वजह है कि आतंकियों ने अपनी एक्टिविटी बढ़ा दी और हिसंक घटनाओं को अंजाम दिया है।

रास नहीं आ रहा विकास

दूसरी बात यह है कि कई सालों बाद कश्मीर में पर्यटन-गतिविधियां बढ़ी हैं। कहा जा रहा है कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार देश-दुनिया की सबसे ज्यादा पर्यटक यहां पहुंचे हैं। कश्मीर में यह शांति और विकास की राह आतंकवादी संगठनों को पसंद नहीं आया और वो इसमें बाधा पहुंचा रहे हैं। दरअसल, जून, जुलाई, अगस्त के महीने के दौरान कश्मीर का मौसम अनुकूल होता है। सितंबर, अक्टूबर के बाद बर्फबारी हो जाती है तो आतंकी संगठन आतंकवादी नहीं भेज पाते हैं। कठुआ में ढेर आतंकियों से इस बात की पुष्टि भी होती है।

अलग-थलग हुआ पाकिस्तान

विदित हो कि मोदी ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में सभी पड़ोसी देशों के राष्ट्र अध्यक्षों को बुलाया, लेकिन पाकिस्तान को नहीं बुलाया गया था। पाकिस्तान को 10 सालों में भारत सरकार ने और खासकर मोदी की सरकार ने उनको एकदम अलग-थलग कर दिया है। उनकी अर्थव्यवस्था गर्त में है। उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी साख भी उतनी नहीं बची है। केवल चीन ही कभी-कभी उनका साथ देने के लिए आता है। इसके अलावा धारा 370 हटने के बाद वहां पत्थरबाजी सहित कई बड़ी घटनाओं में कमी आई है। इन सबके के बीच मोदी का फिर से प्रधानमंत्री बन जाना, उनको रास नहीं आया।

कुचले जाएंगे आतंकी : गृहमंत्री शाह

हाल ही में जम्मू क्षेत्र में आतंकी हमले की घटना और अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर गृह मंत्रालय में हाई लेवल की मीटिंग हुई। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आतंकवाद को कुचलें और आर्तकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। शाह ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाई जाए। वहां 21 जून को योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यक्रम भी है। उक्त बैठक में जम्मू-कश्मीर में पिछले दिनों में जिस तह की आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। उस मुद्दे पर भी गहनता से चर्चा हुई। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए एक इंटीग्रेटेड प्लान तैयार किया गया। इसके अलावा बैठक में अमरनाथ यात्रा के लिए किए जाने वाले कड़े इंतजामों की भी समीक्षा की। इसके पूर्व, वैष्णो देवी यात्रियों पर हमले के अगले ही दिन श्री शाह ने कहा कि इस कायराना हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित
विश्व-प्रसिद्ध एक्यूपंक्चर स्पाइन विशेषज्ञ

Dr. Rajendra Kumar Hazra
M.D. Acupuncture, PHD Acupunchure Science
The American University USA (H.C.)
PHD Acupuncture & Spinal Diseases
M.B.I.U, Indore(H.C.)
ETP. MCA. Cama & Albess Hospital (Mumbai)
मिलने का समय : 9 AM TO 2 PM - 4 AM TO 7 PM
केवल पहले एपोईन्टमेन्ट लेने पर ही मरीज देखा जाएगा।
9771830188 / 7903113893

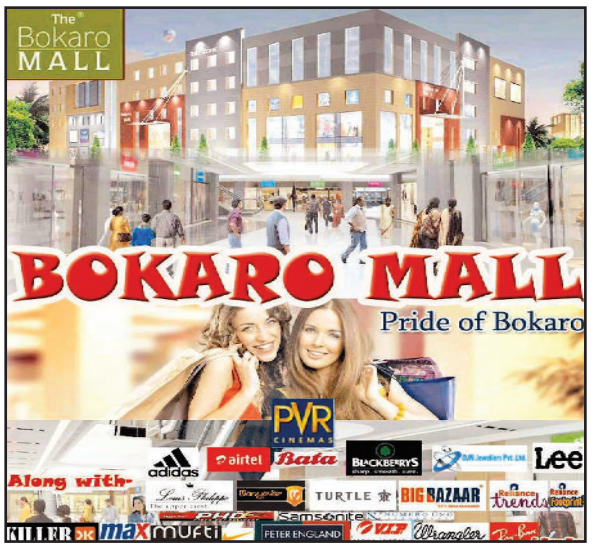

शिवम हॉस्पीटल
मेडिक्लेम कार्ड के द्वारा
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है

E-2, Laxmi Market, Sector-4, B.S. City-827004
Ph No. : 06542-232623, 7488090631

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)